3

48698

2768

विक्रय पत्र

BAR ASSOCIATION DEHRA DUN

मालियत विक्रय पत्र 2,84,000/=

बाजारी मूल्य जिस पर स्टाम्प दिया है 4,30,000/-

स्टाम्प शीट की संख्या 89

स्टाम्प शुल्क 43,000/= आवास विकास शुल्क शीट कुल स्टाम्प का योग 43,000/=

मै / हम कि [illegible] लाल जिन्दल पुत्र [illegible] विजय कुमार पुत्र श्री परमानन्द

[illegible] मुजफ्फरनगर ।

के मालिक व काबिज है और हमारी यह सम्पत्ति हर प्रकार के भार व रहन से मुक्त है उसको बदस्त

श्री आरिफ उस्मान पुत्र [illegible] निवासी 43, गांधी रोड देहरादून ।

विक्रय कर दिया है बदले मे विक्रय धन 2,84,000/= [illegible] में वर्णित

को निम्न प्रकार वसूल पाया

बाके

विवरण सहित [illegible] में दर्ज है ।

.....2 पर

Madan Lal Jindal   Vijay Kumar Jindal

भारतीय गैर न्यायिक

Rs 20000 रु | बीस हज़ार रुपये | RUPEES | 20000 | रुपये | Rs 20000 रु

INDIA NON JUDICIAL

देहरादून

01CC 010102

PHOTO ATTESTED

D. M. Agarwal
ADVOCATE
COURT COMPOUND, D. DUN.

[illegible] लाल जिन्दल पुत्र [illegible] शिव लाल [illegible]

[illegible] मण्डी मुज़फ्फ़रनगर ।

..../....विक्रेतागण ।

विदित हो कि हम विक्रेतागण ने भूमि खसरा नम्बर 5/1 रकबा 0.60 एकड़ मौजा मोहब्बेवाला केन्द्रीयदून देहरादून पास से शिव कुमार पुत्र रणजीत सिंह निवासी [illegible] देहरादून द्वारा [illegible] दिनांक 21-5-1980 [illegible] रजिस्ट्रार देहरादून [illegible] 1697 [illegible] 346/352 [illegible] 7971 [illegible] 7972 ,7973 दिनांक 12-11-80, [illegible] 0.60 [illegible] दून, देहरादून पास [illegible] लाल पुत्र [illegible]

...3 पर

PHOTO ATTESTED

D. M. Agarwal
ADVOCATE
COURT COMPOUND, D. DUN.

Madan Lal Jindal

Scanned with CamScanner

भारतीय गैर न्यायिक

Rs 20000 रु

बीस हजार रुपये

RUPEES 20000 रुपये

INDIA NON JUDICIAL

01CC 010103

निवासी देहरादून द्वारा विक्रय पत्र दिनांक 21-5-80 कार्यालय सब रजिस्ट्रार देहरादून बही नं0 1 जिल्द 1699 के पृष्ठ 358/364 दस्तावेज नं0 7976 सहित मुलहका नं0 7977 व 8 7978 दिनांक 12-11-80 के भूमि खसरा नम्बर 2/2 रकबा 0.05 एकड़, खसरा नम्बर 1/4 रकबा 0.75 एकड़ कुल रकबा 0.80एकड़ स्थित मौजा मोहब्बेवाला [illegible] देहरादून द्वारा विक्रय पत्र दिनांक 21-5-80 कार्यालय सब रजिस्ट्रार देहरादून बही नं0 1 जिल्द 1699 के पृष्ठ 365/370 दस्तावेज नं0 7979 सहित मुलहका नं0 7980 व 7981 दिनांक 11-11-80 खरीद की है। भूमि मौजा मोहब्बेवाला में बन्दोबस्त भूमि का हो चुका है और उपरोक्त वर्णित खसरा नम्बरान के नये खसरा नम्बरान हो गये हैं। नये खसरा नम्बरान [illegible] प्रकार हैं,

..4 पर

1-क रकबा 0.0460 हे0, 2-क रकबा 0.2780 हे0, 1-ग रकबा 0.0210 हे0. 2-ख रकबा 0.1800 हे0, 3 रकबा 0.0220 हे0, 4- रकबा 0.0400 हे0, 1-ड. रकबा 0.0100 हे0, 2-ड. रकबा 0.1760 हे0, स्थित ग्राम मोहब्बेवाला परगना सेन्ट्रलदून देहरादून तहसील देहरादून में हम विक्रेतागण का नाम संक्रमणीय भूमिधर के रूप में अंकित है । हम विक्रेता-गण ने उपरोक्त भूमि को तीन विक्रयपत्रों द्वारा खरीदकर और उसकी मालकियत रखते उसको पार्टनरशिप फर्म द्वारा पार्टनरशिप डीड दिनांक 19-5-80 व 31-8-87 के अन्तर्गत मैसर्स कुमार रोलर फ्लोर मिल्स सुभाष नगर मोहब्बेवाला देहरादून के नाम से कारोबार किया और उपरोक्त पार्टनरशिप फर्म में हम विक्रेतागण के साथ अन्य पार्टनर श्रीमती प्रभा जिन्दल पत्नी श्री मोहन लाल जिन्दल, श्रीमती संतोष जिन्दल पत्नी श्री देवकृष्ण जिन्दल, राजेश कुमार जिन्दल पुत्र श्री परमानन्द जिन्दल व श्री अशोक कुमार पुत्र श्री वीरचन्द दास हैं । उपरोक्त सभी पार्टनर्स ने दिनांक 15.5.1999 को एक प्रस्ताव पारित किया जिसमें उपरोक्त कुल भूमि को विक्रय करने की रजामन्दी हुई और विक्रयपत्रों को पंजीकृत

Madan Lal Jindal

Scanned with CamScanner

INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

दरवाने [illegible] मूल्य प्राप्त करने के लिए हम विक्रेतागण को नियुक्त किया गया । [illegible] विक्रेतागण के कब्जे से मूल विक्रयपत्र कहीं खो गये हैं जो [illegible] तलाश करने पर भी अभी तक नहीं मिले हैं । हमारे उपरोक्त भूमि सम्पत्ति [illegible] प्रकार के भार बंधनों से मुक्त है । उपरोक्त विक्रयपत्रों का कहीं भी कोई दुरुपयोग नहीं हुआ है और ना ही उल्लेखित विक्रयपत्र किसी ऋण देने [illegible] संस्था के यहां रहन हैं । मूल विक्रयपत्रों के [illegible] पंजीकृत [illegible] : मुक्त है हम क्रेतागण को हस्तान्तरित कर रहे हैं । हम विक्रेतागण ने अपने कुल अधिकारों सहित जो भी हमें प्राप्त थे या प्राप्त हो [illegible] सब मिलाकर कुल रकम 2,84,000/-रुपये (दो लाख चौरासी हजार रुपये) आधे जिसके कुल रकम 1,42,000/=रुपये (एक लाख बयालीस हजार रुपये) होते हैं जिस को आनन्द कुमार पुत्र श्री [illegible] निवासी 43, गांधी रोड देहरादून को पूर्णतया विक्रय कर दी है और कुल विक्रय मूल्य निम्न प्रकार प्राप्त कर लिया है :--

2,84,000/=रुपये द्वारा ड्राफ्ट नम्बर 473879 स्टेट बैंक आफ इण्डिया कचहरी देहरादून दिनांक 30-10-99.

..6 पर

इस प्रकार पूरा विक्रय मूल्य हम विक्रेतागण को प्राप्त हो गया है। अब विक्रय मूल्य में से कुछ लेना बाकी नहीं रहा। विक्रीत सम्पत्ति का कब्जा हम विक्रेतागण ने क्रेता महोदय को पहले ही दे दिया है। अब हम विक्रेतागण अथवा हमारे किसी उत्तराधिकारी का विक्रीत सम्पत्ति अथवा उसके किसी भाग से अब किसी प्रकार का कोई सम्बन्ध नहीं रहा न भविष्य में होगा। क्रेता महोदय को अधिकार होगा कि विक्रीत सम्पत्ति को जिस प्रकार चाहें उपयोग में लावें विक्रय, रहन, दान, हस्तान्तरण आदि करें परिवर्तन व परिवर्धन करावें, नक्शा स्वीकृत करावें, निर्माण करें अपने उपयोग में लावे तहसील देहरादून में अपना नाम अंकित करावें लाभ उठावें। विक्रीत भूमि से सम्बन्धित आज तक की मालगुजारी हमारे जिम्मे है व आज के बाद की मालगुजारी क्रेता महोदय के जिम्मे होगी। यदि हमारे स्वामित्व में कोई कमी पायी जाने के कारण विक्रीत भूमि सम्पत्ति या उसका कोई भाग क्रेता महोदय के कब्जे से निकल जावे अथवा उसे कोई हानि उठानी पड़े तो इन ऐसी सभी दशाओं में हम विक्रेतागण व हमारे उत्तराधिकारी क्रेता महोदय के हर प्रकार के नुकसान आदि को पूरा करने के लिए बाध्य रहेंगे। भूमि सम्पत्ति की पैमाइश हमने

Madan Lal Jindal

Scanned with CamScanner

क्रेता महोदय के सामने रखा दी है जिस पर क्रेता महोदय की संतुष्टि हो गयी है और भूमि सम्बन्धित जो भी कागजात है उसी आधार पर विक्रय की जा रही है । यदि इस विक्रयपत्र की पुष्टि में क्रेता महोदय को कोई अन्य लेखपत्र आदि लिखवाकर लेने की आवश्यकता होगी तो ऐसा लेखपत्र हम क्रेता महोदय के खर्चे पर लिखकर देने के जिम्मेदार व पाबन्द रहेंगे । हम व हमारे उत्तराधिकारी जानशीन, वारसान भी जिम्मेदार व पाबन्द रहेंगे विक्रीत भूमि मुख्य मार्ग से 100 मीटर से अधिक दूरी पर है ।

सब रजिस्ट्रार कार्यालय हेतु स्पष्टीकरण :--

विक्रीत भूमि नगर पालिका देहरादून की सीमा से बाहर है । विक्रीत भूमि में कोई पेड़ आदि नहीं है । विक्रेतागण किसी अनुसूचित जाति अथवा जनजाति से नहीं है । [illegible] हमारे मध्य कोई इकरारनामा नहीं है । स्टाम्प शुल्क सरकारी सर्किल रेट पर जो कि विक्रय मूल्य से अधिक है दिया जा रहा है । विक्रीत भूमि में खसरा नम्बर 2- रकबा 0.0700 हे0 पर [illegible] कुमार पुत्र परमानन्द व भूमि खसरा नम्बर 1-च रकबा 0.0210 हे0, खसरा नं0 3 रकबा 0.0226 हे0 व खसरा नम्बर 4- रकबा 0.0300 हे0 कुल

Madan Lal Jindal

...8 पर

Vijay Kumar Jindal

Scanned with CamScanner

500Rs.

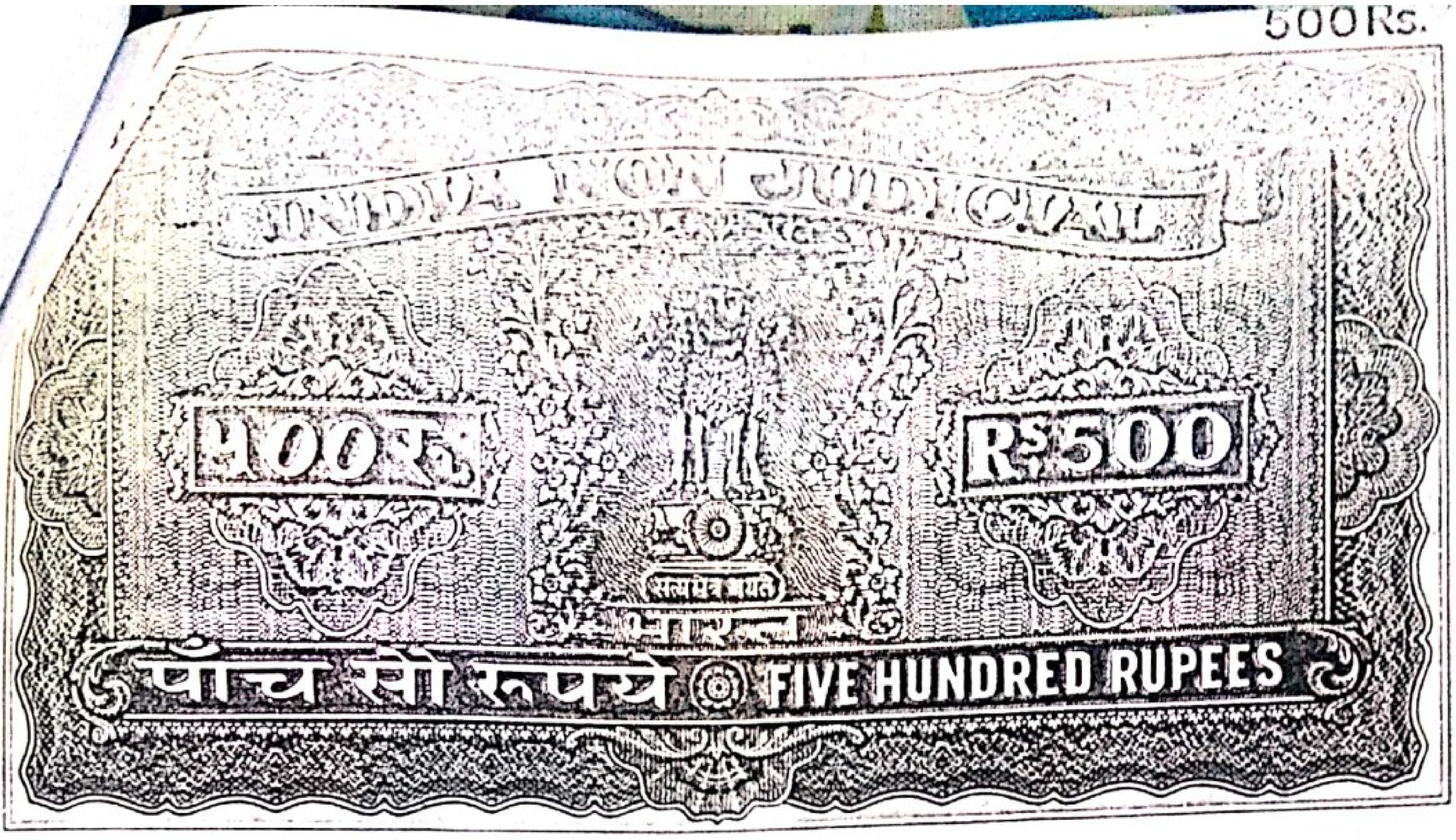

(9)

अतः यह विक्रयपत्र आज दिनांक 29-10-99 ई० को स्थान देहरादून में लिख दिया गया ताकि सनद रहे और काम आवे ।

ह० विक्रेता:- Madan Lal Jindal
Ajay kumar Jindal.

द० साक्षी .
Ajay Jindal
S/o Sh. B. D. Jindal
2 A New Mandi
[signature]

द० साक्षी
Chauhan
(M. S. Jauhar)
S/o Shri Dev Jauhar
43/18 Gandhi Rd
Dehradun.

विक्रेता एवं फोटो का सत्यापन:-- श्री [illegible]०एम०अग्रवाल एडवोकेट,
देहरादून ।

[signature] [signature]

टंकणकर्ता :-- सन्त शरण अग्रवाल कोर्ट कम्पाउण्ड, देहरादून ।

Scanned with CamScanner

SITE PLAN OF LAND KH. No. 1ग, 1ट, 3 & 4ग AT VILL. MOHABBEY WALA DEHRA DUN.

SOLD BY: SH. MADAN LAL JINDAL.

SOLD TO: SH. ASHIF ULLA.

SOLD AREA SHOWN RED

TOTAL SOLD AREA: 0.1436 HCT.

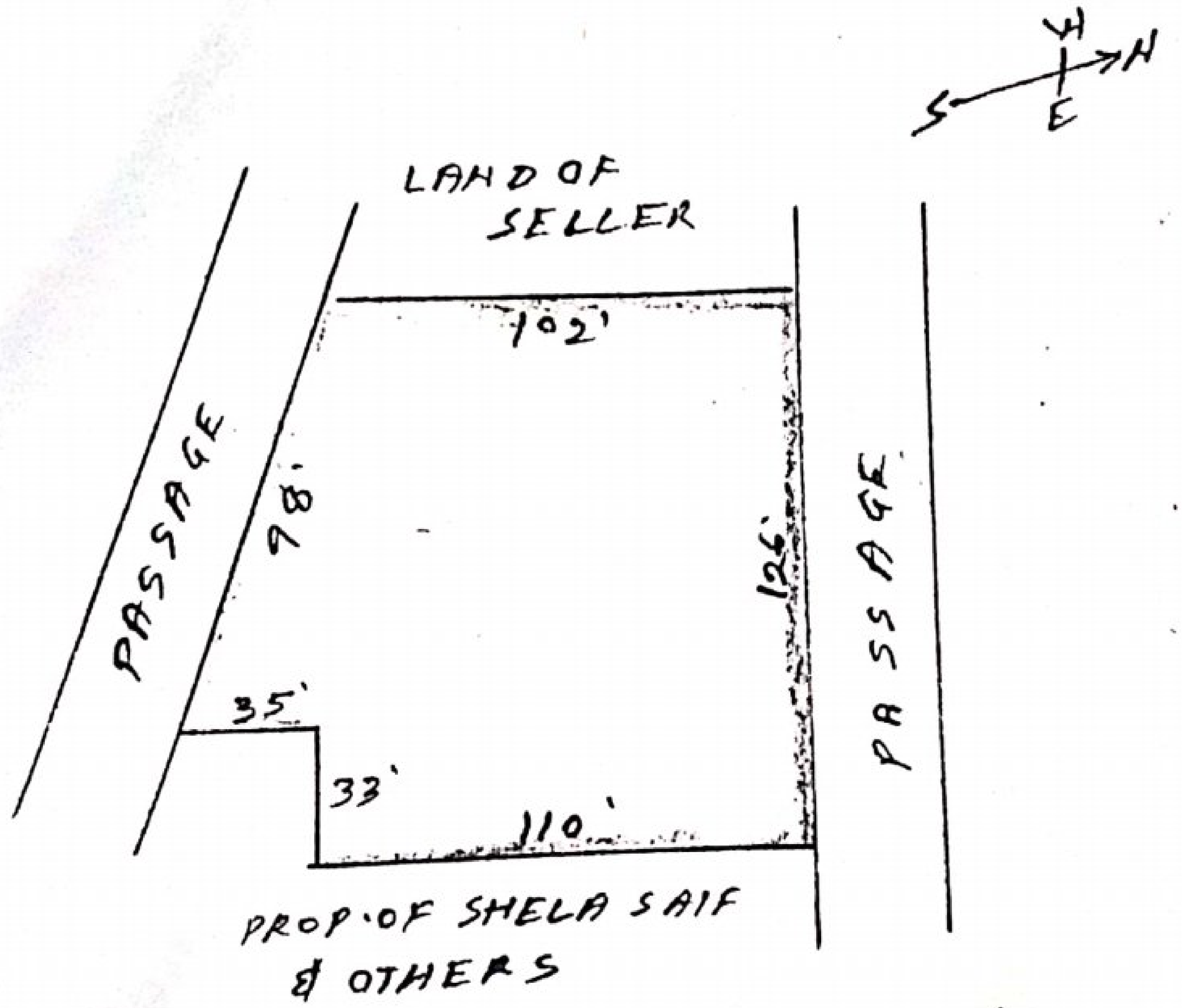

Madan lal Jindal

Vijay kumar Jindal

SIG. OF SELLER

Scanned with CamScanner

कोर्ट कम्पाउण्ड, देहरादून

बही नं० 1 जिल्द 5 पृष्ठ 60

में [illegible] 4860 904 837/850

1/11/99

215, 293

199

30/5/91

17/12/99